वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 267 | रविवार 22 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का श्रीगंगानगर दौरा

मुख्यमंत्री गहलोत ने गुरुद्वारा बुड्ढाजोहड़ में मत्था टेक, सरबत के भले के लिए की अरदास

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार सुबह श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर क्षेत्र में ऐतिहासिक गुरुद्वारा बुड्ढाजोहड़ (डाबला) में मत्था टेका। उन्होंने प्रदेशवासियों के भले के लिए अरदास की। इस अवसर पर गुरुद्वारे के हैड ग्रंथी द्वारा गहलोत एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित अन्य को सरोपा भेंट किया गया। गहलोत ने कहा कि जिस तरह से गुरु घर में सदियों से लंगर की परंपरा चली आ रही है, उसी तरह ह्यकोई भूखा नहीं सोएह्य संकल्प के साथ राज्य सरकार इंदिरा रसोई के माध्यम से सिर्फ 8 रुपए में जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने गुरु नानक देव और गुरु गोविंद सिंह को याद करते हुए प्रदेशवासियों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। गहलोत ने गुरुद्वारे में बैठकर गुरु जस का गान सुना और सरोवर का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर श्रीकरणपुर विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर, पूर्व सांसद शंकर पन्नू, भरत राम, पूर्व विधायक सोहन नायक तथा रायसिंहनगर पंचायत समिति प्रधान सुनीता गोदारा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में टेंट के नाम पर विवाद:भाजपा बोली...

मुगलों के नाम पर रखना गलत, आयोजकों ने कहा- नहीं होगा बदलाव

जयपुर. कासं

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल इस बार मुगल टेंट की वजह से विवादों में आ गया है। भाजपा का आरोप है कि जिन मुगलों ने देश की संस्कृति पर हमला किया, उनके नाम से टेंट का नाम रखा जाना गलत है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा- अच्छा होता मुगल टेंट का नाम डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर होता। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा- मुगल की जगह महाराणा प्रताप का नाम भी लिखा जा सकता था। JLF के ऑर्गनाइजर संजॉय रॉय ने विवाद पर कहा- यह नाम डिग्गी पैलेस से चला आ रहा है। इसके बाद कुछ लोग कहेंगे कि दरबार हॉल का नाम भी बदल दिया जाए। यह फेस्टिवल 16 साल से आयोजित हो रहा है। मुगल टेंट का नाम उसके आर्किटेक्चर डिजाइन की वजह से रखा गया था। उस टेंट की डिजाइन वैसी ही रहती है। यह फेस्टिवल जैसा है, वैसा ही चलेगा, इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का तीसरा दिन था। गुलजार साहब अपने अंदाज में दिखे। उन्होंने यतींद्र मिश्र की किताब 'लता सुरगाथा' पर स्वर कोकिला लता मंगेशकर के बारे में बात की। गुलजार साहब ने कई किस्से बताए।

राइट टू हैल्थ बिल के विरोध में बंद का एलान

23 जनवरी को प्राइवेट हॉस्पिटल, नर्सिंग होम में ओपीडी रहेगी बंद; इमरजेंसी और इनडोर में जारी रहेगा इलाज

जयपुर. कासं

राइट टू हैल्थ बिल के विरोध में 23 जनवरी को राजस्थान में सभी प्राइवेट हॉस्पिटल में ओपीडी सर्विस को बंद रखने का फैसला किया है। प्राइवेट अस्पताल एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी की ओर से घोषित की इस हड़ताल में इनडोर मरीजों और इमरजेंसी में आने वाले मरीजों का ट्रीटमेंट बंद नहीं होगा। सोसायटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने बताया- इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के आह्वान के बावजूद सरकार ने हमारी मांगों को नजरअंदाज करते हुए बिल को लाने की हठधर्मिता कर रही है। हमारी एसोसिएशन के अलावा डॉक्टर्स के अन्य संगठनों ने भी बिल में आवश्यक बदलाव के लिए अपने सुझाव पत्र सरकार को दिए है, लेकिन सरकार उन पर कोई विचार नहीं रही। इसके विपरित बिल को 23 जनवरी से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में लाकर पास करने की तैयारी कर रही है। सरकार की इसी हठधर्मिता के विरोध में हमने 23 जनवरी को बंद का एलान किया है। इसके तहत प्रदेश के सभी प्राइवेट हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स, क्लिनिक में ओपीडी समेत दूसरी सेवाएं बंद रखी जाएगी। हालांकि इस दौरान हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों और इमरजेंसी में आने वाले मरीजों का इलाज जारी रहेगा। कपूर ने बताया- अगर हमारे विरोध के बाद भी सरकार के रवैये में बदलाव नहीं होता है तो हम अनिश्चितकालीन सम्पूर्ण बंद व हड़ताल के साथ समस्त सरकारी योजनाओं का संपूर्ण बहिष्कार करने के लिए सरकारी डॉक्टरों की यूनियन से अनुरोध करेंगे।

श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में मदनगंज किशनगढ़ में

श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का 22जनवरी को होगा भव्य आगाज

मदनगंज किशनगढ़. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य एवं गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ तथा गणिनी यशस्विनी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में हो रहे 22 से 27 जनवरी तक देवाधिदेव श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन नूतन जिनालय, जिनबिंब एवं देवाधिदेव श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर नूतन जिनमंदिर जिनबिंब मानस्तंभ का श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव का आगाज रविवार 22 जनवरी को सोभाग्यवती महिलाओं के द्वारा भव्य घटयात्रा के साथ शुरू होगा। श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत अध्यक्ष विनोद कुमार पाटनी ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य संहितासूरी हंसमुख जैन के दिशा निर्देशन 22 जनवरी को प्रातः 6 बजे नांदी मंगल अनुष्ठान, व्रतदान विधि, सोभाग्यती महिलाओं के द्वारा घटयात्रा महोत्सव, भूमि शुद्धि, श्री जिन

स्थापना, प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण, मंडप उद्घाटन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगल कलश स्थापना, आचार्य निमंत्रण, अतिथि संस्कार, प्रवचन सभा दोपहर 1 बजे सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, अंकुरारोपण, जाप्यारंभ, श्री जिनाभिषेक, याग मंडल पूजा, सायं 7 बजे आरती, रात्रि 7:30 बजे शास्त्र सभा, 8 बजे गर्भ कल्याणक नाटकीय उत्सव पूर्व रूप का आयोजन किया जाएगा। वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य एवं श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन पंचायत के तत्वावधान में 22 जनवरी से इंद्रा नगर के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं सिटी रोड स्थित श्री चंद्रप्रभ मंदिर का प्रारंभ होने जा रहे । श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव के तहत शनिवार को वर्धमान सभागार में मेहंदी महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठाचार्य संहितासुरी पंडित हंसमुख जैन के निर्देशन में महोत्सव का आगाज भगवान जिनेंद्र देव की आराधना से हुआ। संगीत की मधुर स्वर लहरियों पर मेहंदी के गीतों पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पात्रों को मेहंदी लगाई गई। कार्यक्रम में प्रतिष्ठाचार्य संहितासूरी पंडित हंसमुख जैन ने हल्दी महोत्सव का महत्व बताया। कार्यक्रम में भगवान के माता-पिता विजय कुमार- सुशीला देवी कासलीवाल, सौधर्म इंद्र माणक चंद, सुनील कुमार मिली जैन, इंद्र मनीष कुमार -प्रियंका बेद, कमल- विमला बैद, सुरेंद्र- कमला देवी दगड़ा, ओमप्रकाश- पदमा देवी गदिया, नरेंद्र कुमार -लाड देवी गंगवाल, अनूप कुमार -सरोज वैद, पवन कुमार -रजनी बड़जात्या, अशोक कुमार- शकुंतला पापलिया, सुभाष चंद- रेखा देवी गदिया, कैलाश चंद -बबली देवी बड़जात्या, विनोद कुमार- अनिता गदिया, ललित कुमार- वीरबाला गदिया, मनोज कुमार- अंजू बेद, ओमप्रकाश- राजश्री जैन, विमल कुमार मणिदेवी अजमेरा, दिलीप कुमार- निर्मला देवी बेद, सौभाग्यवती स्त्रियां नमिता झांझरी, रचना गंगवाल, रेखा पाटोदी, लोकांतीक देव नित्य पाटनी व यश पाटनी, अष्टकुमारिया कनक पाटनी, युविका कासलीवाल, प्रेरणा बड़जात्या, ईशा गोधा, कोमलिका कासलीवाल, इशिका जैन, याशिका जैन, आरोही गोयल के अलावा अन्य पात्रों के हल्दी लगाई। कार्यक्रम में इंदर इंद्राणी ने भी एक दूसरे के हल्दी लगाकर भक्ति नृत्य कर माहौल भक्तिमय बना दिया। मेहंदी के गीतों पर उपस्थित महिला पुरुषों ने भी नृत्य कर प्रभु की भक्ति करते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया। शाम को आचार्य वर्धमान सागर महाराज की आरती की गई ।

भारतीय जैन मिलन जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी सांगानेर में आज भारतीय जैन मिलन जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के पोस्टर का विमोचन आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में संपन्न हुआ। और कल रविवार दिनांक 22 जनवरी को आचार्य श्री के समक्ष पदस्थापना एवम शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आप सभी से निवेदन है की अधिक से अधिक संख्या में पधारे।

ज्ञान व ध्यान से पूर्ण संध्या : गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने आर्ट ऑफ लिविंग के हैप्पीनेस महोत्सव में 3000 से अधिक प्रतिभागियों को संबोधित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध वैश्विक आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने 4 वर्षों के बाद जयपुर शहर का दौरा किया। अपनी बहुप्रतीक्षित यात्रा के दौरान गुरुदेव ने 3000 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति वाले विशाल एसएमएस इनडोर स्टेडियम, जयपुर में हैप्पीनेस महोत्सव के प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए गुरुदेव ने कहा, जीवन में मौन का अपना महत्व होता है। थोड़ी-थोड़ी देर हम मौन का अभ्यास करेंगे तो हमारे भीतर ऊर्जा रहेगी। आपको पता है कि इंडोनेशिया के बाली शहर में साल में 1 दिन मौन होता है। उस दिन पूरा शहर मौन हो जाता है, ना कोई गाड़ी चलाता है और ना ही कुछ होता है। सभी लोग मौन का आचरण करते हैं।उसका आनन्द ही कुछ और होता है। एक नई दुनिया में हमारा प्रवेश हो जाता है।एक नया आयाम हमारे जीवन के साथ जुड़ जाता है। गुरुदेव ने यह भी कहा कि जैसे धरती में बीज बोये जाते हैं, उसी प्रकार मन को उल्लास और परमानंद भी मंत्रोचारणे , ध्यान और सकारात्मक विचारो द्वारा पोषिते किया जा सकता है । मन्त्रों को सुनने और उच्चारण करने से घर और वातावरण में सकारात्मक तरंग उत्पन्न होते है। प्रतिदिन केवल 10-15 मिनट गायत्री मंत्र सुनने से हमारे तरंगों की शुद्धि होती है, गुरुदेव ने कहा। विश्व के कई भागों में 4 महीनों तक प्रेम, शांति और प्रसन्नता का प्रसार करने के बाद गुरुदेव हैप्पीनेस महोत्सव के प्रतिभागियों को ज्ञान और ध्यान की गहराई में ले जाने के लिए भारत लौट आए।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठोलियान में 500 वर्षों से प्राचीन अतिशयकारी जिनबिबों के अभिषेक का दूसरा दिन

श्रद्धालुओं ने किए प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर,सिटी बस स्टेंड के पास स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठोलियान में आचार्यश्री 108 सुनील सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में चल रहे 500 वर्षों से प्राचीन अतिशयकारी जिनबिबों के अभिषेक के दूसरे दिन शनिवार को भी जयकारों के बीच अभिषेक हुए। शनि अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने जिन बिंबों का पंचामृत अभिषेक से क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। आयोजन से जुड़े निर्मल चांदकीका, प्रदीप ठोलिया व मीनू सौगानी ने बताया कि पूज्य गुरुदेव के सत्संग सानिध्य में शनि अमावस्या के पावन अवसर पर उन जिन बिंबों का पंचामृत अभिषेक श्रावकों ने किए। इस दौरान प्रातः कालीन बेला में श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर में शिखर पर कलश नहीं था, और ध्वजा भी नहीं थी, गुरुदेव की नजर हुई और आदेश हुआ तुरंत लगे हाथ वहां कलश मंगवा कर कलश की शुद्धि आदि विधिवत कर शताधिक श्रावकों के मध्य मंदिर शिखर पर कलशारोहण मुकेश कुमार लुहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। इस मौके पर जन समुदाय को संबोधित करते हुए ,आचार्य श्री ने कहा कि देव द्वारा, सुरेंद्र द्वारा, मनुष्य के द्वारा महामुनिश्वेरो द्वारा पूजित एक ऐसे जिनबिंब को बारंबार नमस्कार हो,जहां जिनालय के ऊपर ध्वजा फहरा हो,घंटों की मधुर स्वर गूंज रहे हो, कलश सोने से मंडे हुए हैं ।जिनका मंगलमय स्वरूप देखकर जिनको जैन धर्म के प्रति आकर्षण उत्पन्न हो, ऐसे मंगल का जिनबिंबो का दर्शन करने से जीवन में सम्यक दर्शन प्राप्त हो सकता है। कितने प्राचीन युगों से ऐसे श्रावक रह चुके हैं, जिन्होंने जिन बिंबो की स्थापना करके अपने जीवन का शिखर निर्माण किया है ।816 वर्ष प्राचीन प्रतिमा जी के दर्शन हो रहे हैं तो विचार कीजिए जैन

धर्म कितना प्राचीन होगा, चौथे काल की प्रतिमा है, इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं ।अनादि काल से वीतराग जिन धर्म जयवंत होते आया है, और आगे भी जैन धर्म जयवंत होगा। शांतिधारा व प्रथम अभिषेक पुण्यार्जक परिवार ज्म्बुकुमार , दर्शन, नवीन बाकलीवाल बस्सी वाले रहे। इस अवसर पर आरके मार्बल समूह के अशोक पाटनी परिवार ने भी जिनबिंबों के दर्शन किए। उपाध्यक्ष आशीष पाटनी ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन 22 जनवरी को सुबह 8.45 बजे जलाभिषेक व पंचामृताभिषेक तथा शांतिधारा के बाद सुबह 10.15 जलाभिषेक के बाद शाम को 4 बजे महाआरती के बाद इसीदिन शाम 4.15 बजे जिनबिबों को यथा स्थान भूगर्भ में जयकारों के बीच विराजमान किया जाएगा।

वेद ज्ञान

जो आज है कल नहीं रहेगा

इस संसार में आकर किसी भी वस्तु को अपना नहीं समझना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यहां की कोई भी वस्तु मानव द्वारा निर्मित नहीं है। मानव ने न चांद बनाया, न सूरज, न तारे और न ही आकाश। इसके अलावा न वायु बनाई, न अग्नि, न पृथ्वी, न नदियां, न पहाड़ बनाए और ही न समुद्र। इस जगत के चर प्राणी भी मानव ने नहीं बनाए। यहां तक कि सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ मानव भी उसके द्वारा निर्मित नहीं है। हम प्रकृति से प्राप्त संसाधनों से तमाम सामग्री लेकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कुछ बनाकर सारा श्रेय लूट लेने का दंभ भरते रहते हैं। फिर उन वस्तुओं का अपना मानकर उससे लगाव लगाना सीख लेते हैं, जबकि वस्तुएं हमसे कोई लगाव नहीं रखतीं। वे तो जिसके पास होती हैं उसी की हो जाती हैं। इस संसार का रचयिता इस जगत को बनाने वाला चुपचाप अदृश्य रूप से इस जगत के कार्यों को देखता रहता है। वह सबको देखता है, सबको जानता है, लेकिन उसको कोई नहीं जान पाता। जगत का स्वामी ईश्वर सारे संसार में व्याप्त है। यही नहीं प्रत्येक शरीर के भीतर भी वही ईश्वरीय सत्ता विद्यमान रहती है। जब मानव संसार को ही ठीक-ठीक नहीं जान पाता है तो संसार की रचना करने वाले को जानना तो अत्यंत कठिन है, क्योंकि सबके अंदर वह अदृश्य रूप से सत्ता रूप में विद्यमान रहता है। इस दृश्यमान जगत को ईश्वर ने अपनी माया से रच डाला है। उसने अपनी प्रकृति में एक से एक सुंदरता बिखेर दी। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, कल-कल करती नदियां, हवा में झूमते पेड़, खेतों में लहलहाते अनेक प्रकार के अनाज, सब्जियां व वृक्षों से लदे फल, आकाश में मंडराते काले-काले मेघ आदि को देखकर क्या हम यह जानने का प्रयत्न करते हैं कि इनका रचियता कौन है? इसके पीछे किसकी सत्ता है? इस प्राकृतिक जगत को ईश्वर ने परिवर्तनशील बनाया है। जो आज है, कल नहीं रहेगा। जो कल आएगा वह आगे नहीं रहेगा। संसार गतिमान होने के कारण प्रतिक्षण बदलता रहता है तो फिर इस बदलते हुए संसार और बदलते हुए शरीर के पीछे जिस सत्ता का हाथ है, उसकी खोज आवश्यक है।

संपादकीय

संविधान देता है विचार और अभिव्यक्ति की आजादी

लोकतंत्र की ताकत यही है कि इसमें नेताओं से लेकर नागरिकों तक को विचार और अभिव्यक्ति की आजादी संविधान देता है। लेकिन इस अधिकार के साथ इसकी गरिमा का खयाल रखने की जिम्मेदारी भी लोगों की ही है। अगर इस सुविधा को बेलगाम बोली और बर्ताव की छूट के तौर पर देखा जाएगा तो इस पर सवाल उठेंगे। खासतौर पर किसी जिम्मेदार पद पर बैठ कर कोई जनप्रतिनिधि इस संवैधानिक अधिकार की गरिमा कायम रखने के बजाय बोली में मर्यादा का खयाल रखना जरूरी न समझे, तो यह एक चिंताजनक स्थिति है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल के पास यहां के शासन को संचालित करने के लिए पद से जुड़े कई अधिकार हैं। लेकिन जनप्रतिनिधि और विशेष रूप से मुख्यमंत्री होने के नाते अपने पद और उसकी मर्यादा को बनाए रखना भी उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके उलट हालत यह है कि अगर उनकी सरकार में कामकाज से जुड़ी प्रक्रिया से

संबंधित कोई अड़चन खड़ी होती है तो इस पर विचार करने के बजाय वे नाहक बिफर जाते हैं। जबकि उनके पद और कद को देखते हुए यह स्थिति खुद उनकी ही गरिमा को कठघरे में खड़ा करती है! गौरतलब है कि सरकारी कामकाज में उपराज्यपाल की ओर से कथित हस्तक्षेप के आरोप के साथ अरविंद केजरीवाल न सिर्फ उनके कार्यालय तक निकाले गए जुलूस में खुद शामिल हुए, बल्कि इससे बाद उन्होंने कुछ ऐसी भाषा में बात की, जिसे मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने उपराज्यपाल पर ''सामंती मानसिकता से ग्रस्त'' होने का आरोप तो लगाया, लेकिन खुद ही जिन शब्दों का प्रयोग किया, वह उनकी मंशा को कठघरे में खड़ा करता है। खबरों के मुताबिक, कुछ शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने के फैसले से उपराज्यपाल की असहमति के बाद विधानसभा में केजरीवाल ने कहा कि 'कौन हैं एलजी' कहां से आए... वे हमारे सिर पर सवार हैं... बेगानी शादी में अब्दुल्ला की तरह! सवाल है कि वे जिस पद पर हैं और उससे जिस तरह की जवाबदेही जुड़ी है, क्या ऐसी भाषा में बात करना उनके लिए उचित है? अगर सरकारी कामकाज में उपराज्यपाल की आपत्ति में नियम-कायदे से संबंधित कोई गड़बड़ी है, तो इसके समाधान के लिए शासन के ढांचे में कोई प्रक्रिया निर्धारित होगी। मगर इसके तहत मुख्यमंत्री पद की मर्यादा का निर्वाह करने के बजाय वे अशिष्ट लहजे में अपनी असहमति दर्ज करते हैं, तो इसे कैसे देखा जाएगा? सही है कि दिल्ली के मतदाताओं ने उन्हें चुन कर भेजा है। लेकिन तथ्य यह भी है कि जनता ने उनके पद के साथ संवैधानिक व्यवस्था के तहत कुछ जवाबदेही निभाने के लिए भी चुना है, जिसमें लोकतंत्र की गरिमा और मर्यादा कायम रखना सबसे ऊपर है। दिल्ली के शासन-प्रशासन और सरकार के ढांचे में उपराज्यपाल पद की एक भूमिका और उसके मुताबिक जिम्मेदारियां तय की गई हैं। दिल्ली सरकार के किसी फैसले को उपराज्यपाल की सहमति से गुजरना एक निर्धारित प्रक्रिया होगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आतंक के खिलाफ

भारत ने हर कुछ समय के अंतराल पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद की समस्या पर बात करते हुए आतंकियों को संरक्षण देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया है। लेकिन पाकिस्तान ने इस तरह के आरोपों पर कभी गंभीरता से बात नहीं की और न इस व्यापक समस्या के हल में सहयोग के लिए कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उलटे वह भारत की ओर से उठे सवालों को खारिज करता रहा है। जबकि आए दिन ऐसे तथ्य सामने आते रहे, जिसमें यह बार-बार उजागर हुआ कि खासतौर पर भारत में आतंकवाद की जटिल समस्या के पीछे उन आतंकी गिरोहों का हाथ है, जो पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाते हैं। खासतौर पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने अलग-अलग चेहरों में भारत में आतंक फैलाने की लगातार कोशिश की है। इसी के मद्देनजर भारत ने वैश्विक समुदाय से पाकिस्तान में संरक्षण हासिल करके बैठे कुछ प्रमुख आतंकियों को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की मांग बार-बार उठाई। लेकिन पाकिस्तान की आनाकानी और चीन के नाहक हस्तक्षेप की वजह से अब तक इस दिशा में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिल सकी थी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र से लेकर दुनिया के ज्यादातर देश भारत के पक्ष और उसकी समस्या को समझते रहे, फिर भी प्रक्रियागत जटिलताओं का लाभ पाकिस्तान को मिलता रहा। मगर सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान स्थित आतंकी और हाफिज सईद के करीबी रिश्तेदार अब्दुल रहमान मक्की को अपनी आइएसआइएल (दाएश) और अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। एक अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्था होने के नाते भले अब जाकर संयुक्त राष्ट्र की ओर से यह कदम उठाया गया है, लेकिन सच यह है कि भारत अरसे से ऐसे कई आतंकियों पर पाबंदी लगाने के लिए आवाज उठाता आया है। पिछले साल जून में भी अमेरिका और भारत ने सुरक्षा परिषद में यह संयुक्त प्रस्ताव रखा था कि आतंकी मक्की को प्रतिबंधित सूची में शामिल किया जाए। लेकिन आखिरी वक्त में चीन ने अपनी विशेष शक्ति की प्रयोग करके इस प्रस्ताव को रोक दिया था। तब भी चीन की खासी आलोचना हुई थी। अब वैश्विक स्तर पर नए परिदृश्य में दबाव बनने और पर्याप्त सबूत उजागर होने के बाद इस बार चीन को भी अपने हाथ पीछे खींचने पड़े। जाहिर है, यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के मसले पर भारत के पक्ष की पुष्टि है। मगर विडंबना यह है कि भारत की ओर से उठाए गए सवालों पर पाकिस्तान और उसका साथ देने वाले चीन को समय रहते विचार करना जरूरी नहीं लगा था। जबकि लंबे समय से ऐसे तथ्य दुनिया भर में सामने आते रहे कि आतंकवाद ने कैसी समस्या खड़ी की है और उसके नतीजे किस-किस रूप में सामने आ रहे हैं। विचित्र यह है कि हकीकत को झुठलाने में पाकिस्तान को कभी कोई हिचक नहीं हुई। एक ओर वह आतंकी तत्त्वों को अपने सीमा क्षेत्र में स्थित ठिकानों से गतिविधियां संचालित करने की अनदेखी करता है और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने खुद को पीड़ित देश बता कर पेश करता है। आतंक को संरक्षण के समांतर पाकिस्तान सरकार एक अजीब तरह के ऊहापोह से गुजरती रहती है।

विशाल निःशुल्क नेत्र रोग परामर्श एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वर्गीय डी के गुप्ता की पुण्यतिथि के उपलक्ष में डी के गुप्ता मेमोरियल चेरीटेबल ट्रस्ट, रोटरी क्लब जयपुर प्राइड और जयपुर विजन एंड दीप हॉस्पिटल और अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में जय दुर्गा कॉलेज ऑफ नर्सिंग और फिजियोथेरेपी मे आयोजित स्वेच्छिक रक्तदान शिविर में 55 यूनिट रक्त इकट्ठा किया । शिविर में आईपीएस राजकुमार गुप्ता, बलवंत सिंह चिराना, डॉ ओपी बंसल, डॉ अनिल गुप्ता, गोविंद नारायण शर्मा, डॉ मनोज लांबा और डॉ सी एल चौधरी उपस्थित रहे साथ ही दीप हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। जिसमे अस्पताल के निदेशक डॉ अनिल गुप्ता ने बताया की जागरूकता कैंप में सैकड़ों रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया ।

नेट थिएट पर ताल खूब जमा

जयपुर घराने के युवा कत्थक नर्तक ''चेतन जवड़ा'' की प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में जयपुर घराने के युवा कथक कलाकार चेतन जबड़ा के भावपूर्ण कथक की प्रस्तुति पर लोग वाह-वाह कर उठे । नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कथक कलाकार चेतन ने नृत्य की शुरूआत। शिव स्त्रोत ''शंकर त्रिपुरारी त्रिनेत्र धारी'' राग दरबारी पर आधारित व ताल चौताल पर आधारित से की । तत्पश्चात तीन ताल में जयपुर घराने का पारंपरिक कथक नृत्य जिसमें थाट खड़े होने का अंदाज , आमद, फरमाइशी चक्रदार परणे, प्रमिलू , दमदार, बेदम बंदिशें , चक्कर , तालमाला गतनिकास लड़ी आदि प्रस्तुत की। कलाकार चेतन के नृत्य में भाव लयकारी ताल और एक्सप्रेशन की झलक देखने लायक थी। संगत कलाकार गायन व हारमोनियम पर रमेश मेवाल तबले पर मुजफ्फर रहमान व पखावज एवं पढ़न्त पर भवदीप जवड़ा की शानदार प्रस्तुति से कार्यक्रम परवान चढ़ा । कार्यक्रम में प्रकाश व्यवस्था मनोज स्वामी एवं मंच व्यवस्था अंकित शर्मा नोनू देवांग सोनी और जीवितेश शर्मा की रही।

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर बालिका छात्रावास में बालिकाओं को गुरुदेव आचार्य श्री सुनील सागर जी द्वारा मार्गदर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य चतुर्थार्धीश जय चक्रवर्ती प्राकृत आचार्य श्री सुनील सागर जी गुरुदेव संत श्री सुधासागर बालिका छात्रावास में बालिकाओं एवं छात्रावास के ट्रस्टी सुरेश कासलीवाल एवं अधिष्ठाता के आग्रह पर छात्रावास की समस्त बालिकाओं को मार्गदर्शन हेतु पहुंचे। छात्रावास की समस्त बालिकाओं के मन में आचार्य श्री के छात्रावास में चरणों की प्रतीक्षा थी। सभी बालिकाओं गुरुदेव के अगवानी में मंगल कलश दीपक एवं रंगोली से संपूर्ण छात्रावास को सजाया था ।आचार्य भगवान के अगवानी करते हुए बालिकाओं ने स्वतःढोल बाजों के साथ अगवानी की। जगह जगह बालिकाओं का समूह गुरुदेव के चरणों के प्रक्षालन कर रहा था ।आचार्य गुरुदेव के अगवानी पश्चात छात्रावास की बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण ,प्राकृत नाटिका ,संस्कृत भाषा में आचार्य श्री के लिए विनायांजलि समर्पित की गई। तत्पश्चात आचार्य भगवन द्वारा सभी बालिकाओं मार्गदर्शित किया गया। आचार्य श्री ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि विद्या सुधा ने ज्ञान का बीज बोया है। समाज से एकांत बाद के कलंक को धोया है। एक पंख से पंछी उड़ नहीं सकता ,वैसे ही एकतरफी बात से समाज और धर्म का विकास नहीं हो सकता। शिक्षा प्रणाली से धर्म और समाज व्यापार और निश्चय ज्ञान के बीच हुए हैं, इस बीच से धर्म संस्कार के पौधे बन गए हैं। और अब चारों तरफ हरियाली नजर आ रही है। जीवन में ज्ञान का अर्जन करें, ज्ञान अभ्यास करते करते जो करने योग्य कर्तव्य है, वो भी करें। बेटियां गृहस्ती करेगी तो दोनों कुल रोशन करेंगे, और साधना की राह पर चलेगी तो सो सो कुलों को रोशन करेगी ।बांस से बांसुरी जैसा जीवन बने ऐसा पुरुषार्थ करना चाहिए। जीवन में कोई ना कोई ऐसा होना चाहिए जिसे आप अपने मन की बात बता सके जो हर परिस्थिति में अनुकूल रहता है वहीं सबको अनुकूलता दे सकता है ।एकता में बड़ी ताकत होती है ।अपने ओर अपने साथ रह रहे व्यक्ति के गुणों को पहचानो ,और उसे अंगीकार करने का उद्यम कर अपने जीवन को विकसित करे। ऐसे अनेकों मुद्दों पर आचार्य भगवान ने छात्रावास की बालिकाओं को मार्गदर्शन किया।

भारत के हैण्डीक्राफ्ट की दुनिया में मांग : प्रो जीएचएस प्रसाद

अमन जैन. शाबाश इंडिया।

जोधपुर। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय के तत्वावधान में झालामण्ड पर गांधी शिल्प बाजार का आगाज हुआ। इस मेले का उदघाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने कियो प्रसाद ने कहा कि आज भारत के हैण्डीक्राफ्ट की दुनिया में मांग है। हस्तशिल्पियों को आज टेक्नोलॉजी के सहारे दुनियाभर में प्रचार प्रसार की जरूरत है, जिससे हस्तशिल्पकारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सहायक निदेशक हस्तशिल्प वी. एन. किरण ने बताया कि गाँधी शिल्प बाजार में देश के प्रत्येक राज्य से 100 से अधिक हस्तशिल्पियों ने भाग लिया है। इन हस्तशिल्पियों ने अपने नायाब हस्तशिल्प उत्पादन को बिक्री एवं प्रदर्शन के लिए रखा हैं। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक एस. एल. पालीवाल एवं इग्नू के रीजनल डायरेक्टर अजय वर्द्धन आचार्य रहें। उल्लेखनीय है कि इस शिल्प बाजार का आयोजन 29 जनवरी तक होगा। इस दौरान लकड़ी का फर्नीचर, टेराकोटा, मिथिला पेंटिंग, फुलकारी, पंजाबी जूती, सहित अनेक हेण्डीक्राफ्ट के सामान खरीददारी के लिए उपलब्ध है।

कैरियर काउंसलिंग मेले मे विशेषज्ञों ने दिये सफलता के सूत्र

राजेश रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में संकुल स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेले का दो दिवसीय आयोजन किया गया , जिसमें कक्षा 9 से 12वीं तक के उपस्थित बच्चों को विभिन्न विषयों-क्षेत्रों में विस्तार से आवश्यक जानकारी मार्गदर्शन विशेषज्ञों द्वारा दिया एवं बच्चों को सफलता के सूत्र बताए। बच्चों ने भविष्य की चुनौतियों को जानने के साथ ही जिज्ञासाओं का समाधान भी पाया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आमंत्रित उप वन मंडलाधिकारी रामकुमार, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविराज, वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी राजेश जैन रागी, शासकीय महाविद्यालय के सहा. प्राध्यापक डॉ मुकेश पटेल, डॉ नीरज कुमार, डॉ प्रदीप अहिरवार, डॉ पुष्पेंद्र अहिरवार, आईटीआई विभाग से देवेंद्र यादव, अजीविका मिशन से शिवदत्त मिश्रा, विनोद रावत के साथ ही गणेश प्रजापति, मनोज शर्मा आदि ने अपने-अपने विषयों की जानकारी देते हुए सफलता के लिए निरंतर लगन और प्रयासों की आवश्यकता बताई, उन्होंने कहा कि अपनी मंजिल तय करने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, आज की मेहनत कल का भविष्य सुरक्षित करेगी, हमारे पास ऐसे संसाधन हैं जिनके माध्यम से हम अपनी रूचि और उससे संबंधित जानकारियों को एकत्रित करके जीवन में नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है, अनेक उदाहरण संस्मरण के माध्यम से जीवन

में निरंतर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही पत्रकार राजेश रागी ने पत्रकारिता के महत्व उपयोगिता गौरव एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि पत्रकारिता लोगों के मध्य जागरूकता लाने का एक सशक्त माध्यम है, सत्ता एवं जनता के बीच एक कड़ी है तो लोकतंत्र की सुरक्षा एवं बचाव का यह सबसे बड़ा माध्यम है ,लोकतंत्र में इसे चौथा स्तंभ का दर्जा मिलने के कारण तथा इसकी पहुंच हर क्षेत्र में होने के कारण यह बहु आयामी बन चुकी है, इस क्षेत्र में विद्यार्थी ऊंचाइयाँ पा सकता है। इस मौके पर शा. कन्या हा. से. विद्यालय के संकुल प्राचार्य अरविंद तिवारी ने आयोजन के संबंध में शासन की मंशा को बताते हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया, सफल संचालन राघवेंद्र नापित, अभय कुमार जैन, देवेंद्र विल्थरे व गणेश प्रजापति ने किया। इस मौके पर ममता राय, विद्या श्रीवास्तव, दुर्गा प्रसाद साहू, गिरधारी लाल जोशी, गौरी शंकर यादव, विनय कुमार गुप्ता, बृजेश बडोनिया, अखिलेश जैन, लता बिल्थरे, ममता सोनी, सरिता जैन, मीना सोनी, रुचि जैन, राधा सोनी, शिवानी अबिद्रा, प्राची रैले, राजेश खरे वंटी सहित स्टाफ के शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।

आदिनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। बड़े जैन मंदिर में प्रथम बार समवसरण की रचना कर चार भगवान चार दिशाओं में 1008 आदि नाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान कर स्वर्ण कलश से अभिषेक ओर भक्तामर के 48 परिवारो द्वारा, विशेष शांतिधारा,पूजन के साथ निर्वाण लड्डू प्रदीप-मीरा छाबडा,महिला समाज,जैन युवक समिति,समाज के विशेष भक्तों के द्वारा सुर सम्राट सुबोध गंगवाल,नविन पांड्या के निर्देशन में चढ़ाया गया,शाम को भव्य आरती के साथ 48 परिवारों द्वारा 48 मंडप बनाकर 48-48 दीपक अपने अपने मंडप पर भक्ति करते हुवे चढ़ाया,जैन ललित सेठी ओर कार्यक्रम संयोजक जैन अजय सेठी ने बताया की आज से हजारों वर्ष पूर्ण अष्टापद से निर्वाण को प्राप्त किये थे तब से पूरी दुनिया मे माघ कृष्ण चदुर्दशी के दिन आदिनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। स्थानीय पंडित अभिषेक जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ के 2 पुत्र थे भरत ओर बाहुबली ओर जैन कथा के अनुसार भरत भगवान के नाम से भारत देश का नाम पडा।कार्यक्रम में 48 परिवार के द्वारा बहुत सुंदर से सुंदर भक्ति करते हुवे दिपक श्री जी के चरणों मे अर्पित किया गया जिसमें सबसे सुंदर भक्ति करने का पुरस्कार इंदु सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक जैन अजय-अलका सेठी को समाज के द्वारा माला ओर दुप्पट्टा ओढा कर सुंदर कार्यक्रम का आयोजन के लिए सराहना किया ओर बधाई दी।उक्त जानकारी समाज के मीडिया प्रभारी नविन जैन,जैन राज कुमार अजमेरा ने दी ।

महावीर जैन नवयुवक संघ ने बच्चो के बैठने के लिए दरियां भेंट की

ब्यावर. शाबाश इंडिया

महावीर जैन नवयुवक संघ ब्यावर द्वारा सर्दी सुरक्षा अभियान के तहत 8 ग्रामीण राजकीय विद्यालयों में बच्चों के बेठने के लिए 50 बड़ी दरियों का शनिवार को विभिन्न विद्यालयों में जाकर भेंट की गई। मंत्री अशोक पालड़ेचा के अनुसार संघ सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहा हैं । वर्तमान में सर्दी के प्रकोप को देखते हुए संघ के पदाधिकरियो ने राजकीय उ.मा.विद्यालय नुन्द्री मालदेव में 7 दरियों, रा.उ.मा.वि. अतीतमंड में 7 दरिया, रा.उ.मा.वि. मानडेडा में 7 दरिया, रा.उ.प्रा.वि. बायला में 6 दरिया, रा.उ.प्रा.वि. शिवपुरा घाटा में 6 दरिया, रा.उ.मा.वि. मालपुरा में 7 दरिया, रा.प्रा.वि. बैरवा नगर में 4 दरिया, रा.उ.प्रा.वि. सैदरिया में 6 दरिया भेट की गयी। इनमे से 25 दरियों के लाभार्थी मनीष कुमार जैनम कुमार मेहता परिवार था। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष मनीष मेहता, मंत्री अशोक पालड़ेचा, कोषाध्यक्ष अनिल डोसी, सहमंत्री प्रदीप मकाना, वरिष्ठ सलाहकार जसवंत बाबेल इत्यादि सदस्य उपस्थित थे।

शनिग्रह अनिष्ट निवारक मूलनायक जिन प्रतिमा का 108 स्वर्ण कलशों से हुआ महा मस्ताकाभिषेक

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे में श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन नया मन्दिर में शनि अमावस्या पर महाशांति धारा एवं मूलनायक जिन प्रतिमा मुनि सुव्रतनाथ भगवान के 108 स्वर्ण कलशों महामस्ताभिषेक हुए। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि इससे पूर्व संध्या पर मुनिसुव्रतनाथ युवा मण्डल के प्रयासों से श्री1008 आदिनाथ भगवान के निर्वाण उत्सव के अवसर पर भक्तामर स्त्रोत्र का 48 दीपको से पाठ किया गया ।उक्त कार्यक्रम प्रसिद्ध गायक कलाकार दुर्गेश नैनवा एण्ड पार्टी की स्वर लहरियों के बीच भक्ति संध्या का भव्य आयोजन किया गया जिसका अर्द्धरात्रि तक भक्तों ने आनंद लिया। इसी अवसर पर आज शनि अमावस के दिन श्रावक श्रेष्ठी कैलाश चन्द, सुविधी कुमार, प्रवीण कुमार समस्त कड़िला जैन परिवार द्वारा स्वर्ण कलशों से 108 बार श्रीजी पर अभिषेक किया गया तथा श्रावक श्रेष्ठी रामस्वरूप, शिखरचन्द, राजेन्द्र कुमार, सिद्ध कुमार, पवन कुमार, जितेन्द्र कुमार, आशा, टीना, काव्या, ऐरा मोदी जैन परिवार द्वारा बोली के माध्यम से महाशान्तिधारा कर सुख समृद्धि की कामना की गई गयी,इस अवसर पर मोहन झंडा, कपूर चंद नला,सोहनलाल झंडा, मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल, सन्तोष कासलीवाल,राहुल कासलीवाल समस्त वकील परिवार फागी जयपुर, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीरझंडा, भागचन्द बजाज केलास पंसारी, रामस्वरूप मोदी,कैलाश कासलीवाल, महावीर बजाज,भागचन्द कासलीवाल, पं संतोष बजाज, महेंद्र गोधा, रमेश बजाज,सुरेश मांदी वाले, महावीर मोदी, राजेंद्र मोदी, सुभाष कुमार, प्रकाश सिंघल, सुशील कासलीवाल, नीरज झंडा, आशु झंड़ा, कमलेश झंडा, ललित मांदी अंशु, बबलू चौधरी, जम्बू कुमार, राजेश,अशोक बजाज, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

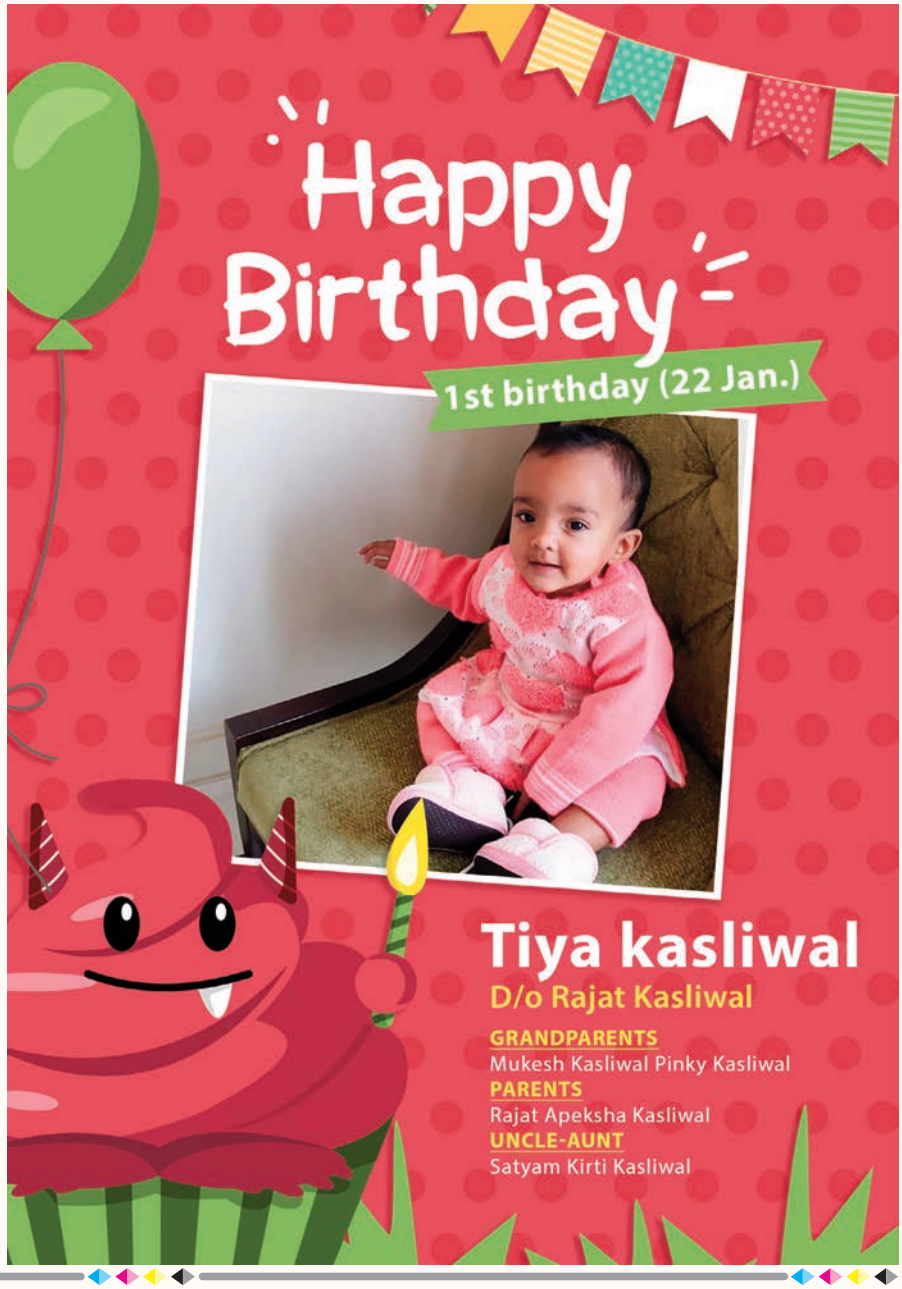

श्री क्षत्रिय युवक संघ के सस्थापक तन सिंह की जयंती पर विशाल रक्तदान शिविर आज 22 जनवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तन सिंह जी की 99 वी जयंती के उपलक्ष्य पर श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा विशाल रक्त दान शिविर का आयोजन संघ शक्ति प्रांगण जयपुर में होगा। शिविर संयोजक गजेंद्र सिंह बड़वाली ने बताया की शिविर 22 जनवरी 9:00 से शाम 5:00 तक संघ शक्ति कार्यालय A 8 तारा नगर झोटवाड़ा में लगाया जाएगा। इसके साथ ही शिविर स्थल पर मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया जाएगा। इस प्रदेश स्तरीय शविर में कई जाने माने राजनेता, सामाजिक संघठनों के प्रमुख और विभिन समाजों के लोग पूज्य तन सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

राजस्थान में दो दिन बारिश की संभावना

शीतलहर-कड़ाके की ठंड में होगी 26 जनवरी की परेड; एक दिन में 5 डिग्री गिरा पारा

जयपुर. कासं। राजस्थान में कल हुई मावठ के बाद सर्दी फिर बढ़ गई। दिनभर चली सर्द हवा और सूरज के नरम तेवरों से चूरू, पिलानी, फतेहपुर में तापमान गिरकर 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जयपुर, अजमेर, दौसा, टोंक समेत कई शहरों में सर्दी बढ़ने के साथ ही ठिठुरन शुरू गई। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक गणतंत्र दिवस तक एक बार फिर से कड़ाके की ठंड का असर दिखने लगेगा। 23 जनवरी से एक बार फिर राजस्थान के मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण गंगानगर, हनुमानगढ़ के साथ अलवर, भरतपुर एरिया में 24 से 25 जनवरी के बीच कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। जयपुर मौसम केन्द्र से जारी रिपोर्ट के मुताबिक आज फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 5 पर पहुंच गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

याद के साथ भूलना भी है: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। वर्तमान में प्राणी को भूलने की आदत बहुत है। जिन बातों को भूलना चाहिये, वह याद रहती हैं और जिन बातों को याद रखना चाहिए, वह भूल जाते हैं। यह स्मरण की शक्ति मतिज्ञान कर्म के उदय में मिलती है। उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर धर्म सभा को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। जैन साध्वी गुरुमां ने कहाकि सभी को कितना याद रहता है, कितने समय तक रहता है ये सब चीजें स्मृति नामक मतिज्ञान कर्म के कारण सम्भव हैं। स्मरण के साथ विस्मरण भी है। यानी याद के साथ भूलना भी है। एक तरह से भूलने की आदत अच्छी भी है और खराब भी है। अच्छी इसलिए कि यदि संसार की सभी बातें याद रहें तो जीना मुश्किल हो जाएगा। याद रहना इसलिए अच्छा है कि सभी कुछ भूल जाएंगे तो अच्छी बातें कैसे याद रहेगी। किसी को लड़ाई-झगड़े, चुगली, दुश्मनी, वैमनस्यता आदि की बातें याद रहती हैं। किसी को वेद, शास्त्र, ग्रन्थ, भजन, आरती, मंत्र आदि याद रहते हैं। यह सब आपकी रुचि पर निर्भर करता है। जिस व्यक्ति की जिन बातों में रुचि होती है वह उन्हें याद रखता है और जिन बातों में अरुचि होती है वह उन्हें भूल जाता है। जिनकी संसार में रुचि है वह धर्म की चर्चा में वोर हो जाएगा। जिन्हें आत्मज्ञान जाग्रत हो गया है, वह संसार की बातों को नहीं सुनना चाहते। इसलिये ज्ञान को जाग्रत करके अच्छे बुरे का निर्णय जरूरी है।